संस्थान के हिन्दी जर्नल "ग्रामीण विकास समीक्षा" के आगामी अंक के लिए निम्नलिखित विषय पर हिन्दी में लेख आमंत्रित है :

"कोरोना काल के दौरान प्रवासी मजदूरों की दशा और दिशा"

अनुरोध है कि टंकित लेख 20 सितम्बर, 2021 तक निम्नलिखित मेल पर भेजे जा सकते है :-

anithapandey.nird@gov.in

ग्रामीण विकास समीक्षा
(एनआईआरडीपीआर का हिंदी जर्नल)
लेखकों के लिए अनुदेश

<u>कार्यविधि</u>

पत्राचार : राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान हिंदी जर्नल ग्रामीण विकास समीक्षा के लिए कृषि, पशुपालन, बागवानी, महिला एवं बाल कल्याण, ग्रामीण स्वास्थ्य , समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, ग्रामीण रोजगार, कुटीर उद्योग, गरीबी निवारण, पंचायती राज तथा ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलुओं पर मूलत: हिन्दी में लिखे शोध लेख आमंत्रित करता है । सभी पत्राचार संपादक , ग्रामीण विकास समीक्षा, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500030, भारत (ईमेल :anithapandey.nird@gov.in) से किया जा सकता है ।

<u>घोषणा</u> :

सभी लेखकगण अपने लेखों के साथ उक्त घोषणा संलग्न करेंगे (1) सूचीबद्ध किए गए लेख के लेखक वे स्वयं है ; (2) लेख पूर्णत: उन्ही का है तथा वह कहीं अन्य प्रकाशित नहीं है तथा प्रकाशन हेतु कहीं भी भेजा नहीं गया है । । यह लेखक की जिम्मेदारी होगी कि वह पूर्व में प्रकाशित सभी सामग्री के उपयोग हेतु लिखित रूप में अनुमति प्राप्त करेगा और संपादकीय मंडल या प्रकाशक किसी भी प्रकार से इस हेतु जिम्मेदार नहीं होंगे ।
<u>सॉफ्टवेयर का उपयोग</u> : सभी लेखकों से अनुरोध है कि वे अपने लेख "यूनिकोड सॉफ्टवेयर" में ही टाईप करवायें । लेख की प्रतियों को पीडीएफ या वर्ड ओपन फाईल में भेजें ।

<u>पुनरीक्षण व्यवस्था</u> : प्रत्येक लेख की समीक्षा की जाएगी । संपादकीय मंडल के पास यह अधिकार होगा कि वह किसी लेख के विषय, शैली या किसी रूप को अनुपयुक्त पाने पर बाहरी समीक्षा को अनुरोध किए बिना रद्द कर सकता है ।

संपादन : प्रत्येक स्वीकृत लेख में संशोधन किया जाएगा या किया जा सकता है ।

कॉपिराईट (प्रकाशनाधिकार) : ग्रामीण विकास समीक्षा जर्नल द्वारा जब तक लेख स्वीकृत नहीं किया जाता तब तक लेखक के पास लेख का कॉपिराईट अधिकार होगा । स्वीकृति के बाद लेख के कॉपिराईट का सर्वाधिकार राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के पास होगा और संपादकीय मंडल या लेख के लेखकगण की बिना अनुमति इसे अन्यत्र प्रकाशित नहीं किया जाएगा ।

लेख की तैयारी

शीर्षक पृष्ठ : शीर्षक पृष्ठ में लेख का शीर्षक, नाम / लेखक / लेखकों का नाम एवं उनकी संस्थागत सम्बद्धता शामिल है । शीर्षक को लेख के प्रथम पृष्ठ पर ही लिखें ।

सार : लेख के प्रथम पृष्ठ पर लेख का सार लिखें जिसमें 250 से अधिक शब्द न हो ।

शब्द सीमा : सामान्यत: लेख में 4000-6000 शब्द होते है जिसमें सार (शब्द 250 से अधिक न हो) नोट्स, बिबलियोंग्राफी / संदर्भ, सारणी इत्यादि शामिल है । लघु लेखों को संपादकीय बोर्ड से चर्चा कर स्वीकार किया जा सकता है ।

परिवर्णी शब्द : परिवर्णी शब्द ऐसे होने चाहिए जिसे पहली बार पूरा लिखा जाए उसके बाद उसके संक्षिप्त रूप को लिखा जाना चाहिए ।

सारणी : प्रत्येक सारणी को एक अलग पृष्ठ पर टाईप करें । लेख में उपयुक्त स्थान पर लोकेशन नोट लिखे ।

टिप्पणियां : पाद टिप्पणियों को परिशिष्ट में टिप्पणियों के रूप में सूचीबद्ध किया जाए तथा इन्हें पांडुलिपि में पृष्ठ के नीचे की ओर न दर्शाया जाए ।